



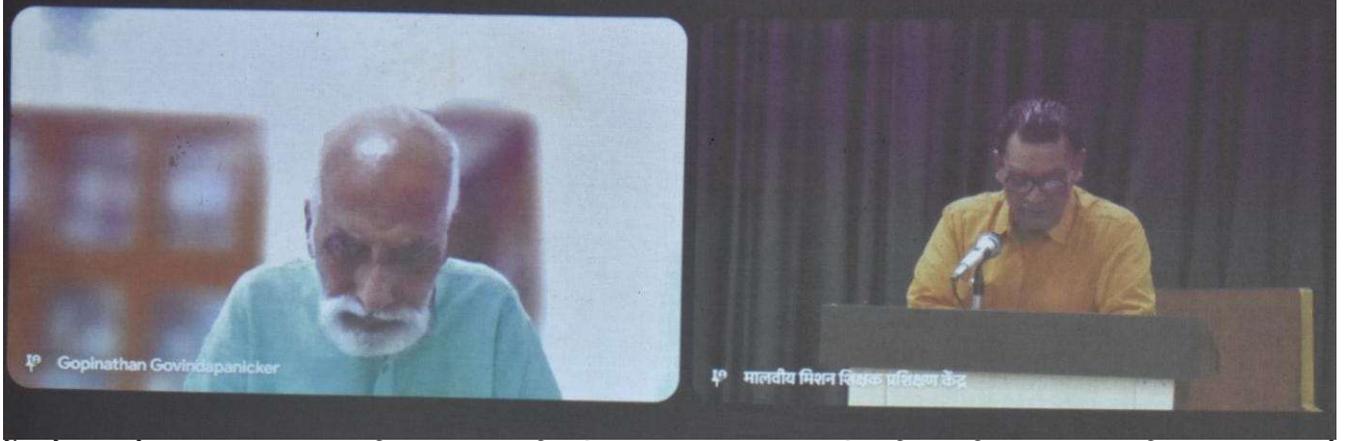
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा  
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)  
जनसंपर्क कार्यालय  
PUBLIC RELATIONS OFFICE



संस्कृति के आदान-प्रदान का माध्यम है अनुवाद : प्रो. जी. गोपीनाथन

हिंदी विवि में 'भारतीय भाषा, साहित्य एवं संस्कृति की महत्ता तथा अनुवाद की भूमिका' विषय पर पुनश्चर्या कार्यक्रम का उद्घाटन

वर्धा, 14 मार्च 2026: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति, सुविख्यात अनुवादविद प्रो. जी. गोपीनाथन ने कहा है कि अनुवाद केवल भाषा और साहित्य का ही नहीं अपितु संस्कृति के आदान-प्रदान का प्रभावी माध्यम है। संवाद से संकट का समाधान निकालने में वैश्विक स्तर पर अनुवाद बड़ी भूमिका निभाता है। वें विश्वविद्यालय में यूजीसी- मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण



केंद्र के अंतर्गत 'भारतीय भाषा, साहित्य एवं संस्कृति की महत्ता तथा अनुवाद की भूमिका' विषय पर बारह दिवसीय पुनःश्चर्या कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में ऑनलाइन संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का उद्घाटन गालिब सभागार में शुक्रवार, 13 मार्च को किया गया, जिसमें विभिन्न राज्यों के अध्यापक शामिल हुए। प्रो. गोपीनाथन ने कहा कि भाषाओं में समन्वय स्थापित करने के लिए अनुवाद की बड़ी भूमिका है। हमारे सांस्कृतिक स्रोत ग्रंथ जैसे रामायण, महाभारत, गीता एवं पंचतंत्र के विभिन्न भाषाओं में किए गए अनुवाद के कारण इसे दुनियाभर में प्रसारित किया गया। उन्होंने कहा कि रविंद्रनाथ टैगोर, भास, शेक्सपीयर आदि की रचनाओं के अनुवाद से विचारों और संस्कृति का आदान-प्रदान हुआ। वैज्ञानिक परिवर्तन लाने में भी अनुवाद की बड़ी भूमिका रही है। अनुवाद नवनिर्मिती, प्रेरणा व ज्ञान-विज्ञान की जानकारी देने में महत्वपूर्ण उपकरण बना। पत्रकारिता और फिल्म जैसे माध्यमों में भी अनुवाद के कारण इसे वैश्विक पटल पर लाया गया। उन्होंने बताया कि हिंदी विश्वविद्यालय में अनुवाद का अध्ययन शुरू किया गया और भारत में पहली बार अनुवाद प्रौद्योगिकी का विभाग शुरू हुआ। देश-विदेश के साहित्य को विश्व में प्रसारित करना इसके पीछे की मंशा रही। अनुवाद में रोजगार की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि विश्वभर में द्विभाषी लोगों की जरूरत है। पर्यटन जैसे क्षेत्र में अनुवादकों की काफी मांग है। आज-कल मशीनी अनुवाद पर बड़ा काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि दुनिया के चिंतन को बदलने में और वैश्विक राजनीतिक संबंधों को सुधारने में अनुवाद एक महत्वपूर्ण उपकरण बना हुआ है।

कार्यक्रम का प्रास्ताविक यूजीसी- मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र के निदेशक प्रो. अवधेश कुमार ने किया। उन्होंने बारह दिन तक चलनेवाले कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुए कार्यक्रम में शामिल होने वाले विषय-विशेषज्ञों के व्याख्यानों का लाभ लेने का आह्वान प्रतिभागिताओं को किया। कार्यक्रम का प्रारंभ कुलगीत से तथा समापन राष्ट्रगान से किया गया। कार्यक्रम का संचालन अनुवाद अध्ययन विभाग के सहायक प्रोफेसर तथा कार्यक्रम समन्वयक डॉ. राम प्रकाश यादव ने किया तथा भाषा विज्ञान विभाग के अध्यक्ष एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. एच.ए. हुनगुंद ने आभार ज्ञापित किया।

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: [pro.mgahv@hindivishwa.ac.in](mailto:pro.mgahv@hindivishwa.ac.in) वेबसाइट/Website: [www.hindivishwa.org](http://www.hindivishwa.org)

दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305



## महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

### जनसंपर्क कार्यालय

PUBLIC RELATIONS OFFICE



इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर डॉ. शैलेश कदम, डॉ. राकेश सिंह फकलियाल, डॉ. वरूण कुमार उपाध्याय, डॉ. राम कृपाल, डॉ. आम्रपाल शेंदरे, डॉ. प्रदीप, डॉ. जगदीश नारायण तिवारी तथा विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभागी डॉ. धर्मेन्द्र कुमार, संजय कुमार बिसेन, गणेश कुमार तुमडाम, नागेश्वर दास, डॉ. कैलाश नारायण मीना, डॉ. श्रुति कुमारी, डॉ. सरोज बाला श्याम, डॉ. सलोचना एच.ई., डॉ. दीपक महाजन, डॉ. सुनील कुमार मानस, डॉ. संतोष एस्के, सुरेन्द्र सिंह सस्तिया आदि की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में जनसंपर्क अधिकारी बी.एस.मिरगे, संगीता मालवीय, राजेश आगरकर सहित विक्रांत राय, हेमंत दुबे, मिथिलेश राय, राम प्रवेश, जयश्री डफरे, रोहिणी गायकवाड आदि ने सहयोग किया।

### अनुवाद हे सांस्कृतिक देवाणघेवाणीचे प्रभावी माध्यम : प्रो. जी. गोपीनाथन

हिंदी विवित 'भारतीय भाषा, साहित्य व संस्कृतीचे महत्त्व आणि अनुवादाची भूमिका' विषयावरील पुनश्चर्या कार्यक्रमाचे उद्घाटन

वर्धा, १४ मार्च २०२६ : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयाचे माजी कुलगुरू व प्रख्यात अनुवादक प्रो. जी. गोपीनाथन म्हणाले की, अनुवाद हा केवळ भाषा व साहित्यापुरता मर्यादित नसून संस्कृतीच्या आदान-प्रदानाचे प्रभावी माध्यम आहे. संवादाच्या माध्यमातून संकटांचे निराकरण करण्यासाठी जागतिक स्तरावर अनुवाद महत्त्वाची भूमिका बजावतो. ते विश्वविद्यालयातील यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्राच्या अंतर्गत आयोजित 'भारतीय भाषा, साहित्य आणि संस्कृतीचे महत्त्व तसेच अनुवादाची भूमिका' या विषयावरील बारा दिवसीय पुनश्चर्या कार्यक्रमाच्या उद्घाटन समारंभात ऑनलाईन मार्गदर्शन करत होते. हा कार्यक्रम शुक्रवार, १३ मार्च रोजी गालिब सभागृहात सुरू झाला असून विविध राज्यांतील शिक्षक त्यात सहभागी झाले आहेत.

प्रो. गोपीनाथन म्हणाले की भाषांमध्ये समन्वय निर्माण करण्यासाठी अनुवाद अत्यंत महत्त्वाचा आहे. आपल्या सांस्कृतिक परंपरेतील रामायण, महाभारत, भगवद्गीता आणि पंचतंत्र यांसारख्या ग्रंथांचे विविध भाषांमध्ये झालेले अनुवाद यामुळे हे ग्रंथ जगभर पोहोचले. रवींद्रनाथ टागोर, भास आणि विल्यम शेक्सपियर यांच्या साहित्यकृतींच्या अनुवादामुळे विचार आणि संस्कृतीचा व्यापक आदान-प्रदान झाला आहे. वैज्ञानिक परिवर्तन घडवून आणण्यातही अनुवादाची मोठी भूमिका असल्याचे त्यांनी नमूद केले. नवसर्जन, प्रेरणा आणि ज्ञान-विज्ञानाची माहिती लोकांपर्यंत पोहोचविण्यासाठी अनुवाद हा महत्त्वाचा उपक्रम ठरला आहे. पत्रकारिता आणि चित्रपट यांसारख्या माध्यमांनाही अनुवादामुळे जागतिक पातळीवर पोहोच मिळाली आहे. हिंदी विश्वविद्यालयात अनुवाद अभ्यासाची सुरुवात करण्यात आली असून भारतात प्रथमच अनुवाद प्रौद्योगिकी विभाग सुरू करण्यात आला. देश-विदेशातील साहित्य जगभर पोहोचविण्याचा यामागील उद्देश असल्याचे त्यांनी सांगितले. अनुवाद क्षेत्रातील रोजगाराच्या संधीबाबत बोलताना ते म्हणाले की, जगभरात दुभाषी व्यक्तींची मोठी गरज आहे. पर्यटनासारख्या क्षेत्रात अनुवादकांची मोठी मागणी आहे. सध्या यंत्रमानवाधारित (मशीन) अनुवादावरही मोठ्या प्रमाणावर काम सुरू आहे. जगातील विचारप्रवाह बदलण्यात तसेच जागतिक राजकीय संबंध सुधारण्यात अनुवाद महत्त्वाचे साधन ठरत असल्याचेही त्यांनी स्पष्ट केले.

कार्यक्रमाचे प्रास्ताविक यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्राचे निदेशक प्रो. अवधेश कुमार यांनी केले. त्यांनी बारा दिवस चालणाऱ्या कार्यक्रमाची रूपरेषा मांडत विविध विषयतज्ज्ञांच्या व्याख्यानांचा लाभ घेण्याचे आवाहन सहभागी शिक्षकांना केले. कार्यक्रमाची सुरुवात कुलगीताने तर समारोप राष्ट्रगीताने करण्यात आला. कार्यक्रमाचे संचालन अनुवाद अध्ययन विभागाचे

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: [pro.mgahv@hindivishwa.ac.in](mailto:pro.mgahv@hindivishwa.ac.in) वेबसाइट/Website: [www.hindivishwa.org](http://www.hindivishwa.org)

दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा  
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)  
जनसंपर्क कार्यालय  
PUBLIC RELATIONS OFFICE



सहायक प्राध्यापक व कार्यक्रम समन्वयक डॉ. राम प्रकाश यादव यांनी केले, तर भाषाविज्ञान विभागाचे अध्यक्ष व कार्यक्रम समन्वयक डॉ. एच. ए. हुनगुंद यांनी आभार मानले.

यावेळी विश्वविद्यालयातील डॉ. शैलेश कदम, डॉ. राकेश सिंह फकलियाल, डॉ. वरुण कुमार उपाध्याय, डॉ. राम कृपाल, डॉ. आम्रपाल शेंदरे, डॉ. प्रदीप, डॉ. जगदीश नारायण तिवारी व विविध राज्यातील डॉ. धर्मेन्द्र कुमार, संजय कुमार बिसेन, गणेश कुमार तुमडाम, नागेश्वर दास, डॉ. कैलाश नारायण मीना, डॉ. श्रुती कुमारी, डॉ. सरोज बाला श्याम, डॉ. सलोचना एच. ई., डॉ. दीपक महाजन, डॉ. सुनील कुमार मानस, डॉ. संतोष एस्केण, सुरेंद्र सिंह सस्तिया आदी उपस्थित होते. कार्यक्रमात जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे यांच्यासह संगीता मालवीय, राजेश आगरकर, हेमंत दुबे, मिथिलेश राय, विक्रांत, राम प्रवेश, जयश्री डफरे, रोहिणी गायकवाड आदींनी सहकार्य केले.

---

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: [pro.mgahv@hindivishwa.ac.in](mailto:pro.mgahv@hindivishwa.ac.in) वेबसाइट/Website: [www.hindivishwa.org](http://www.hindivishwa.org)

दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305